

यूपीएससी दर्शनशास्त्र सिलेबस

UPSC वैकल्पिक विषय सूची में कुल 48 विषय शामिल हैं, जिनमें से एक दर्शनशास्त्र है। IAS exam के लिए फिलॉसफी पाठ्यक्रम विषय को समझने और भारत में समाज के लिए ज्ञान को लागू करने की उम्मीदवारों की क्षमता पर केंद्रित है। इस विषय में शामिल विषय दर्शन, धर्म और सामाजिक संरचनाओं के इतिहास और विकास से संबंधित हैं।

यूपीएससी में दर्शनशास्त्र को वैकल्पिक विषय के रूप में चुनने वाले उम्मीदवार पाएंगे कि पाठ्यक्रम भारतीय संस्कृति पर इसके प्रभाव के साथ-साथ इतिहास और दर्शन के विकास से संबंधित मुद्दों और विषयों पर केंद्रित है। इस लेख में, हम आपको दर्शनशास्त्र वैकल्पिक के लिए विस्तृत UPSC Syllabus और यूपीएससी दर्शनशास्त्र वैकल्पिक पाठ्यक्रम पीडीएफ भी प्रदान करते हैं।

यूपीएससी के लिए दर्शन पाठ्यक्रम

फिलॉसफी वैकल्पिक विषय में यूपीएससी मेन्स में 2 पेपर (पेपर I और पेपर II) हैं। प्रत्येक पेपर 250 अंकों का होता है जिसमें कुल 500 अंक होते हैं। आईएएस प्रीलिम्स क्लियर करने के बाद, उसे UPSC Mains के लिए बैठना होता है जिसमें 9 सबजेक्टिव पेपर होते हैं।

आईएएस दर्शन पाठ्यक्रम के नीचे खोजें:

यूपीएससी दर्शन पाठ्यक्रम (पेपर I)

दर्शन का इतिहास एवं समस्याएं:

1. प्लेटो एवं अरस्तू: प्रत्यय; द्रव्य; आकार एवं पुद्गल; कार्यकारण भाव; वास्तविकता एवं शक्यता।
2. तर्क बुद्धिवाद (देकार्त, स्पिनोजा, लीबनिज): देकार्त की पद्धति एवं असंदिग्ध ज्ञान; द्रव्य; परमात्मा; मन-शरीर द्वैतवाद; नियतत्ववाद एवं स्वातंत्र्य ।
3. इन्द्रियानुभववाद (लॉक, बर्कले, ह्यूम): ज्ञान का सिद्धांत; द्रव्य एवं गुण; आत्मा एवं परमात्मा; संशयवाद।
4. कांट: संश्लेषात्मक प्रागनुभविक निर्णय की संभवता: दिक् एवं काल; पदार्थ; तर्कबुद्धि प्रत्यय; विप्रतिषेध; परमात्मा के अस्तित्व के प्रमाणों की मीमांसा।
5. हीगेल: द्वंद्ववात्मक प्रणाली; परमप्रत्ययवाद।
6. मूर, रसेल एवं पूर्ववर्ती विट्जेन्स्टीन: सामान्य बुद्धि का मंडन; प्रत्ययवाद का खंडन; तार्किक परमाणवाद; तार्किक रचना; अपूर्ण प्रतीक; अर्थ का चित्र सिद्धांत; उक्ति एवं प्रदर्शन ।
7. तार्किक प्रत्यक्षवाद: अर्थ का सत्यापन सिद्धांत; तत्वमीमांसा का अस्वीकार; अनिवार्य प्रतिज्ञप्ति का भाषिक सिद्धांत।
8. उत्तरवर्ती विट्गेन्स्टीन: अर्थ एवं प्रयोग; भाषा-खेल: व्यक्ति भाषा की मीमांसा।
9. संवृतशिस्त्र (हर्सल) प्रणाली; सार सिद्धांत; मनोविज्ञानपरता का परिहार।
10. अस्तित्वपरकतावाद (कीरककंगार्द, सात्र, हीडेगर): अस्तित्व एवं सार; वरण, उत्तरदायित्व एवं प्रामाणिक अस्तित्व; विश्वनिसत् एवं कालसत्ता।
11. क्वाइन एवं स्ट्रॉसन: इन्द्रियानुभववाद की मीमांसा; मूल विशिष्ट एवं व्यक्ति का सिद्धांत।

12. चार्वाकः ज्ञान का सिद्धांत ;अतीन्द्रिय सत्त्वों का अस्वीकार।
13. जैनदर्शनः सत्ता का सिद्धांत; सप्तभंगी न्याय; बंधन एवं मुक्ति।
14. बौद्धदर्शन संप्रदायः प्रतीत्यसमुत्पाद; क्षणिकवाद, नैरात्म्यवाद।
15. न्याय-वैशेषिकः पदार्थ सिद्धांत; आभास सिद्धांत; प्रमाण सिद्धांत; आत्मा मुक्ति; परमात्मा; परमात्मा के अस्तित्व के प्रमाण; कार्यकारण-भाव का सिद्धांत, सृष्टि का परमाणुवादी सिद्धांत।
16. सांख्यः प्रकृति; पुरुष; कार्यकारण भाव; मुक्ति।
17. योगः चित्त; चित्तवृत्ति; क्लेश; समाधि; कैवल्य।
18. मीमांसाः ज्ञान का सिद्धांत।
19. वेदांत संप्रदायः ब्रह्मन; ईश्वर; आत्मन; जीव; जगत; माया; अविद्या; अध्यास; मोक्ष; अपृथक् सिद्धि; पंचविधभेद।
20. अरविंदः विकास, प्रतिविकास, पूर्ण योग।

UPSC 2022 की तैयारी करने वाले उम्मीदवार लिंक किए गए लेख की जांच कर सकते हैं।

यूपीएससी दर्शन पाठ्यक्रम (पेपर- II)

सामाजिक - राजनैतिक दर्शन :

1. सामाजिक एवं राजनैतिक आदर्श सामानता , न्याय, स्वतंत्रता।
2. प्रभुसत्ता : आस्टिन बोदां, ल्ास्की, कौटिल्य।
3. व्यक्ति एवं राज्य : अधिकार; कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व।
4. शासन के प्रकार : राजतंत्र; धर्मतंत्र एवं लोकतंत्र।
5. राजनैतिक विचारधाराएं : अराजकतावाद; मार्क्सवाद एवं समाजवाद।
6. मानववाद : धर्मनिरपेक्षतावाद; बहुसंस्कृतिवाद।
7. अपराध एवं दंड : भ्रष्टाचार, व्यापक हिंसा, जातिसंहार, प्राणदंड।
8. विकास एवं सामाजिक उन्नति।
9. लिंग भेद : स्त्रीअप्राण हत्या, भूमि एवं संपत्ति अधिकार; सशक्तिकरण।
10. जाति भेद : गांधी एवं अंबेडकर।

धर्मदर्शन :

1. ईश्वर की धारणा : गुण; मनुष्य एवं विश्व से संबंध (भारतीय एवं पाश्चात्य)।
2. ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण और उसकी मीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य)।
3. अशुभ की समस्या।
4. आत्मा : अमरता, पुनर्जन्म एवं मुक्ति।
5. तर्कबुद्धि, श्रुति एवं आस्था।

6. धार्मिक अनुभव : प्रकृति एवं वस्तु (भारतीय एवं पाश्चात्य) ईश्वर रहित धर्म।
7. ईश्वर रहित धर्म।
8. धर्म एवं नैतिकता।
9. धार्मिक शुचिता एवं परम सत्यता की समस्या।
10. धार्मिक भाषा की प्रकृति: साइश्यमूलक एवं प्रतीकात्मक; संज्ञानवादी एवं निस्संज्ञानवादी।

यदि किसी ने पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का अध्ययन करके और यूपीएससी के लिए दर्शनशास्त्र पर संबंधित पुस्तकों का अध्ययन करके इसे यूपीएससी मेन्स के लिए चुना है तो फिलॉसफी वैकल्पिक को अच्छी तरह से तैयार किया जाना चाहिए। IAS के इच्छुक उम्मीदवार दर्शनशास्त्र वैकल्पिक के लिए अपनी तैयारी को मेन्स में सामान्य अध्ययन की तैयारी के साथ एकीकृत कर सकते हैं क्योंकि दोनों के पाठ्यक्रम में एक ओवरलैप है।

आईएस उम्मीदवार अपनी तैयारी को तदनुसार संरेखित करने के लिए UPSC Philosophy Optional Strategy की जांच कर सकते हैं।